बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था
सत्संग शिक्षण परीक्षा (पूर्व कसौटी - जनवरी, २०२२)

(समय : दोपहर २.०० से ४.१५) **सत्संग परिचय : प्रश्नपत्र - २**

सूचना : इस प्रश्नपत्र में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न दिनांक ६ मार्च, २०२२ के दिन होनेवाली मुख्य परीक्षा में पूछे जाएँगे। मुख्य परीक्षा में उत्तरवही के अलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखें हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे। परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व मंजूरी बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'लेखाकार' या 'डमी राइटर' एवं 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तरवही रद मानी जाएगी। एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावट रद मानी जाएगी। काटकूट किए हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे। अस्पष्ट और पढ़ा ना जा सके ऐसे उत्तर मान्य नहीं होंगे। अभ्यास क्रम में शामिल पुस्तक की अंतिम संस्करण का ही उपयोग करें। परीक्षा-कक्ष में परीक्षा के दौरान किसी भी परीक्षार्थी को मोबाईल फोन तथा इलेक्ट्रॉनिक साधन जैसे टेब्लेट, लेपटॉप आदि का उपयोग करने तथा उसे अपने पास रखने की अनुमति नहीं है।

(कुल गुणांक : ७५)

विभाग - १ : किशोर सत्संग परिचय - प्रथम संस्करण, फरवरी - १९९९

प्र. १ निम्नलिखित कथन कौन, किसे और कब कहता है, यह लिखिए। **[९]**

१. ''इस समय तो मेरे इष्टदेव स्वामिनारायण ऐसे भगवान हैं।''

२. ''क्या तुम्हारा पुत्र वास्तव में मर गया है?''

३. ''ध्यान रखना कि मन्दिर छोटा ही हो।''

प्र. २ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए। **[५]**

१. नाजा भक्त ने समाधि में क्या क्या देखा?

२. हिमराज शाह को कैसी दृढ निष्ठा थी?

३. ज्ञान क्या हैं?

४. साधुओं को पीटने की बात सुनकर दोनों काठी भाईयों ने क्या कहा?

५. गुणातीतानन्द स्वामी क्या खोज करने को कहते है?

प्र. ३ निम्नलिखित वाक्यों के बारे में कारण लिखिए। (दो से तीन पंक्ति में) **[६]**

१. राजबाई की चुनरी में आग लग गई।

२. शास्त्रीजी महाराजने गढ़पुर में टीले के ऊपर मंदिर का निर्माण किया।

३. कड़वीबाई की हत्या करने के लिए आए हुए ब्राह्मण भाग गए।

प्र. ४ निम्नलिखित कीर्तन / अष्टक / श्लोक आदि को सूचनानुसार पूर्ण कीजिए। **[८]**

१. पड्युं मारे ..... खरचे नाणुं रे।

२. जो स्वामिनारायण एक ..... अक्षरधाम आपे।

३. शरणागतपापपर्वतं ..... भजे सदा॥

४. धर्मो ज्ञेयः ..... भक्तिश्च माधवे॥ श्लोक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए।

प्र. ५ मित्रभाव - **प्रसंग पर १५ पंक्ति में संक्षिप्त नोंद लिखिए। (वर्णनात्मक)** **[५]**

प्र. ६ ''कल्याण के लिए.....'' - **'स्वामी की बात' पूर्ण कीजिए और इसके बारे में निरूपण लिखिए।** **[५]**

विभाग - २ : प्रागजी भक्त - प्रथम संस्करण, नवम्बर - १९९८

प्र. ७ निम्नलिखित कथन कौन, किसे और कब कहता है, यह लिखिए। **[९]**

१. ''मेरी पढ़ाई तो पहले ही पूरी हो चूकी है।''

२. ''बिना पलक झपके खुले नेत्रों से भगवान का स्मरण करो।''

३. ''अब तो अक्षरधाम में महाराज की ओर या जूनागढ़ के योगी की ओर दृष्टि होनी चाहिए।''

प्र. ८ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए। **[५]**

१. गढ़डा में कोठारी ने भगतजी पर क्या प्रतिबंध लगा दिया था?

२. जूनागढ़ जाते वक़्त रास्ते में किसको विषधर नाग ने काटा था?

३. गुणातीतानन्द स्वामी ने भगतजी को क्यों मन ही मन आशीर्वाद दिया?

४. यज्ञपुरुषदासजी प्रतिदिन महेमदाबाद स्टेशन क्यों जाते थे?

५. भगतजी आनंद के प्रकार बताते कौन सी साखी बोले?

प्र. ९ निम्नलिखित वाक्यों के बारे में कारण लिखिए। (दो से तीन पंक्ति में) **[६]**

१. आचार्य महाराज और संतो की स्वामी को फटकारने की लालसा मन में ही रह गई।

२. खानदेश के हरिभक्त महुवा में भगतजी का समागम करने के लिए पधारने लगे।

३. प्रागजी भक्त को साक्षात्कार हुआ।

प्र. १० निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए चोरस कोष्टक में सही (✓) का निशान करें। **[६]**

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्पों के आगे ही सही का निशान किया होगा तो ही पूर्ण गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा।

१. प्रागजी भक्त ने स्वामी से क्या माँगा ?

(१) ☐ अपनी भक्ति दो

(२) ☐ महाराज के दर्शन करवाओ

(३) ☐ अपना धाम के दर्शन करवाओ

(४) ☐ मुझे सच्चा सत्संगी बनाओ

२. वांसदा के दीवान के साथ सत्संग

(१) ☐ अमीन नाथभाई झवेरभाई

(२) ☐ बिलीमोरा होते हुए वांसदा पधारे

(३) ☐ अनादि छः तत्त्व

(४) ☐ कौए की तरह सोना चाहिए

३. सत्संग से निष्कासित

(१) ☐ महुवा जाने को तैयार हो गए

(२) ☐ सभी लड्डु खा गए।

(३) ☐ हरे मूँग का पानी लेने को कहा।

(४) ☐ स्वामी ने उन्हें दर्शन दिए

प्र. ११ निम्नलिखित किसी भी <u>एक</u> प्रसंग पर १५ पंक्ति में संक्षिप्त नोंद लिखिए। (वर्णनात्मक) **[५]**

१. मुझे स्वामिनारायण ने धारण कर रखा है

२. अड़सठ तीर्थ सद्गुरु चरणों में

प्र. १२ निम्नलिखित वाक्य में से गलत शब्द को सुधारकर विषय के अनुलक्ष्य में सही वाक्य लिखिए। **[६]**

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे। अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा।

उदाहरण : जूनागढ़ में अपूर्व सन्मान : एक अमीन हरिभक्त आचार्य जटाशंकर ने एक बार अपने शिष्य मणिलाल भट्ट से कहा, ''शामजी जैसा चमार खाँट के ऊपर बैठे और आचार्य उसे दण्डवत् करे; ऐसा क्यों हैं ?''

उत्तर : जूनागढ़ में अपूर्व सन्मान : एक <u>नागर</u> हरिभक्त <u>डा. उमियाशंकर</u> ने एक बार अपने <u>गुरु बालमुकुन्ददासजी</u> से <u>पूछा</u>, ''<u>प्रागजी</u> जैसा <u>दरजी गद्दी के</u> ऊपर बैठे और <u>संत</u> उसे दण्डवत् करें; ऐसा क्यों हैं ?''

१. **संतत्व की कला** : शामजी भक्त ने जैसे ही महाराज की टिप्पणी सुनी, उन्होंने तुरन्त तीन कलसे उठाए और सरोवर से पानी लेने चल दिए। कलसों में पानी भर-भर कर लाते और चीकू के वृक्षों की जड़ों में उड़ेल देते।

२. **अब मैं प्रागजी द्वारा प्रगट रहूँगा :** जूनागढ़ से निकलकर लोज, मांगरोळ, जेतपुर और भावनगर गए। भावनगर के महाराजा ने विशेष निमंत्रण देकर बुलवाया। राज-प्रासाद में उनका भव्य स्वागत किया गया।

३. **गूदड़ी में लाल :** श्रीनाथजी के प्रसाद के मग के आधे बीज से यदि कोई चौरासी बेठक बना सकता है, तो यह तो महाप्रसाद है। शामजी तो शुद्ध हृदय है।

४. **शिष्य की योग्यता की परीक्षा :** केशव नाम का एक नाई था, वह गढ़डा के मन्दिर के हरिभक्तों की क्षौर क्रिया किया करता था। उसने प्रति व्यक्ति दो पैसे का भाव बढ़ा दिया।

५. **अक्षरधाम की कुंजी प्रागजी के पास :** विशेष व्यक्ति शामजी भक्त को आश्रम के उच्च वर्ग का देखता है, किन्तु राम भक्त तो उन्हें साक्षात् देव-स्वरूप देखता था।

६. **सत्संग में पुनः प्रवेश :** जागाभक्तने उन्हें फटकारा। घनश्याम के सखा का आचरण कैसा होना चाहिए, यह समझाया और गिरधरभाई के पास क्षमा माँगने के लिए भेजा।

* * *

☞ **अगत्य की सूचना : सभी परीक्षार्थी अपनी संस्था की निम्नलिखित website - link पर से पुराने सालों के मुख्य परीक्षा के प्रश्नपत्र और उसके उकेलपत्र डाउनलोड कर सकते हैं और उसकी प्रिन्ट भी निकाल सकते हैं।**

http://www.baps.org/Satsang-Exams.aspx